167259 - अगर उसके घर वाले उसे ऐसे स्कूल में प्रवेश लेने पर मजबूर करें जिसमें नक़ाब उतार दिया जाता है तो क्या वह रास्ते में भी नक़ाब उतार देगी ?

प्रश्न

मैं सत्रह साल की एक लड़की हूँ और स्कूल में नक़ाब पहनना चाहती हूँ। मैं इस स्कूल में पढ़ाई के पहले साल में हूँ और अभी मेरे सामने दो अन्य साल और हैं, और यह स्कूल नक़ाब पहनने की अनुमति नहीं देता है, तो क्या मेरे लिए उनके नियमों का पालन करना ज़रूरी है ? यह बात ध्यान में रहे कि अगर मैं अपने घर वालों से इस स्कूल से पढ़ाई छोड़ने के लिए कहूँगी तो बहुत बड़ी समस्या और दुविधा में पड़ जाऊँगी . . क्या मेरे लिए संभव है कि मैं स्कूल के बाहर नक़ाब पहनूँ फिर स्कूल में प्रवेश करते ही निकाल दूँ ? या कि मेरे लिए संभव है कि मैं बिल्हुल ही नक़ाब न पहनूँ , कम से कम इस स्कूल में पढ़ाई मुक्ममल करने तक, फिर इसके बाद मैं हर समय नक़ाब पहनूँ ? कृपया सलाह दें, अल्लाह आप को अच्छा बदला प्रदान करे।

विस्तृत उत्तर

सर्व प्रथम :

बालिग (परिपक्व) लड़की पर अनिवार्य है कि वह अपने संपूर्ण शरीर को पराये पुरूषों से छिपा कर रखे, उन प्रमाणों के कारण जिनका वर्णन प्रश्न संख्याः (11774) तथा (21134) के उत्तर में हो चुका है।

और इस चीज़ के अंदर रास्ते और स्कूल के बीच कोई अंतर नहीं है,सो जहाँ भी पराये मर्द मौजूद हैं औरत के लिए अपने संपूर्ण शरीर को ढांकना अनिवार्य है जिसमें उसका चेहरा भी है।

दूसरा :

आप को चाहिए कि अपने माँ बाप को ऐसे स्कूल में पढ़ने पर संतुष्ट करें (समझायें) जो मिश्रित न हो,या ऐसे स्कूल में जिसमें आप अपने चेहरे को छिपा सकें,या दूरस्थ शिक्षा ग्रहण करें ;ताकि पाप और अवज्ञा में पड़ने से अपने आपको बचा सकें।

यदि आपका परिवार इसकी अनुमति न दे और इसी स्कूल में रहने पर ज़ोर दे और आपके लिए दूसरे स्कूल में ट्रांस्फर होना संभव न हो,तो आपके लिए स्कूल के बाहर नक़ाब पहनना अनिवार्य है ; क्योंकि यह आपके सामर्थ्य में है,और आपका स्कूल के अंदर उसे पहनने में कोताही करना या उस पर मजबूर होना आपके लिए उसे उसके बाहर निकालना वैध नहीं करता है ;क्योंकि अल्लाह तआला का फरमान है :

﴿ فَاتَّقُوا اللَّهَ مَا اسْتَطَعْتُمْ ﴾ {التغابن/16}

“अतः तुम अपनी ताक़त भर अल्लाह से डरो।” (सूरत तग़ाबुन : 16)

तथा हम अल्लाह तआला से प्रश्न करते हैं कि वह आपकों ज्ञान और मार्गदर्शन में बढ़ोतरी प्रदान करे,और आपके लिए आसानी और रास्ता पैदा फरमाए।